Amar Ujala
10.08.2021_Page No.04(My City)

विद्यार्थियों का व्यक्तित्व व कौशल निखारने पर जोर

ग्रेटर नोएडा। छात्रों को मीडिया इंडस्ट्री के योग्य तैयार करने के लिए गलगोटिया विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग ने दो दिवसीय ऑनलाइन प्लेसमेंट बूट कैंप की शुरुआत की। इसमें विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और कौशल को निखारने पर जोर दिया गया। बूट कैंप के पहले दिन 'कन्वर्जेंस मीडिया में कॅरिअर के नए अवसर' विषय पर एक अतिथि व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ नंदगोपाल राजन ने विद्यार्थियों को डिजिटल मीडिया की कार्यशैली से परिचित कराया। साथ ही न्यूज वेबसाइट के रेवेन्यू मॉडल के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि डिजिटल मीडिया में कॅरिअर के कई नए अवसर बन रहे हैं लेकिन विद्यार्थियों को अपने लेखन-कौशल के साथ-साथ नए मल्टीमीडिया टेक्निकल कौशल का भी विकास करना होगा। राजन ने फेक न्यूज, एसईओ, मीडिया कन्वर्जेंस व डिजिटल टेक्नोलॉजी से संबंधित सवालों के जवाब भी दिए। उन्होंने डिजिटल मीडिया में कॅरिअर बनाने के लिए उत्सुक छात्रों का मार्गदर्शन भी किया। ब्यूरो

अ. उजाला, पे.-4 (My City)_10/08/21

Hindustan
10.08.2021_Page No.03(Noida City)

पढ़ाई छूटने पर भी मिलेगा सर्टिफिकेट

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

तीन साल के स्नातक कोर्स में किन्हीं कारणों से केवल एक वर्ष ही पढ़ाई करने पर मेहनत बेकार नहीं जाएगी। छात्र को पहले साल में 46 क्रेडिट पूरा करने पर सर्टिफिकेट मिलेगा। यदि छात्र दोबारा से पढ़ाई शुरू करेंगे तो दूसरे वर्ष में प्रवेश पा सकेंगे। स्नातक में पहले साल से अंतिम वर्ष तक निर्धारित क्रेडिट पूरा करने के बाद पढ़ाई छूटने पर प्रमाण पत्र या डिप्लोमा मिलेगा। सोमवार को शासन ने विवि को उक्त निर्देश भेज दिए।

नए सत्र में नई शिक्षा नीति से प्रवेश होने हैं। स्नातक में तीन एवं चार वर्षीय कोर्स के विकल्प मिलेंगे। पहली बार स्नातक सेमेस्टर सिस्टम में चलेगा। यदि छात्र पहले और दूसरे सेमेस्टर यानी पहले वर्ष में 46 क्रेडिट पूर कर लेता है और आगे पढ़ाई चालू नहीं रख पाता तो सर्टिफिकेट मिलेगा। 92 क्रेडिट पूरा करने पर छात्र को डिप्लोमा मिलेगा। 92 क्रेडिट छात्र को प्रथम से चार सेमेस्टर तक पूरे करने होंगे। यानी दूसरे वर्ष के बाद पढ़ाई छोड़ने पर छात्र डिप्लोमा का हकदार रहेगा। मगर यदि छात्र तीसरे वर्ष के 40 क्रेडिट पूरे कर लेता है तो छात्र के 132 क्रेडिट हो जाएंगे। यह क्रेडिट करने पर छात्र को स्नातक की उपाधि मिलेगी।

नई शिक्षा नीति

- 46 क्रेडिट पूरा करने पर पहले साल में मिलेगा सर्टिफिकेट
- अब छात्रों की पहले साल की पढ़ाई नहीं जाएगी बेकार

रिसर्च के लिए व्यवस्था : स्नातक विद रिसर्च के लिए चौथे साल में छात्र को 40 क्रेडिट और पढ़ने होंगे। ऐसा करने पर छात्र को बैचलर रिसर्च की डिग्री मिलेगी। इसके लिए कुल 184 क्रेडिट होने चाहिए। 48 क्रेडिट और पढ़ने पर छात्र के कुल 232 क्रेडिट हो जाएंगे जो मास्टर डिग्री के लिए अर्ह होंगे। यदि छात्र रिसर्च मैथडोलॉजी के 16 क्रेडिट पढ़ता है तो उसे पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रिसर्च मिलेगा। स्नातक प्रथम वर्ष सहित छह, सात और आठवें वर्ष में छात्र को पीएचडी की उपाधि मिलेगी। रिसर्च मैथडोलॉजी के बाद तीन साल पीएचडी थीसिस के लिए रहेंगे।

अभी ऐसा प्रबंध : विश्वविद्यालयों में अभी स्नातक में प्रवेश लेने के बाद यदि कोई छात्र एक साल पूरा करने के बाद पढ़ाई छोड़ देता है तो उसका साल बेकार हो जाता है व छात्र को सर्टिफिकेट नहीं मिलता। छात्र को केवल डिग्री पूरी करने के अधिकतम छह वर्ष मिलते हैं।

Dainik Jagran
10.08.2021_Page No.07

विवि व महाविद्यालयों में पढ़ाया जाएगा एनसीसी

राज्य ब्यूरो, लखनऊः प्रदेश के विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों में राष्ट्रीय कैडेट कोर्स (एनसीसी) की पढ़ाई होगी। अगले शैक्षिक सत्र से इसे वैकल्पिक विषय में लागू किया जाएगा, इसका पेपर 12 क्रेडिट का होगा। एनसीसी का पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए उच्च शिक्षा निदेशक की अगुवाई में राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है। शुरुआत में यह विषय सिर्फ एनसीसी कैडेट के लिए उपलब्ध होगा, जबकि आगे इसे सभी छात्र-छात्राओं के लिए लागू किया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कहा गया है कि संस्थानों की पाठ्यचर्या से छात्रों में मौलिक व सांविधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़नी चाहिए। छात्रों में भारतीय होने का गर्व सिर्फ विचार ही में न हो बल्कि व्यवहार, बुद्धि व कार्य में भी दिखाई पड़े। इसी को देखते हुए सरकार ने उच्च शिक्षा संस्थानों में एनसीसी को वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया है, ताकि छात्रों में अनुशासन, देशप्रेम की भावना विकसित हो। मेधावी विद्यार्थी इसे लेने से बचते हैं, इसलिए वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस गर्ग ने बताया कि वैकल्पिक विषय का पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए निदेशक उच्च शिक्षा की अध्यक्षता में राज्य समिति गठित की गई है, इसमें एनसीसी निदेशालय, राज्य स्तरीय पाठ्यक्रम समिति के प्रतिनिधि को शामिल किया गया है। समिति जल्द ही पाठ्यक्रम उपलब्ध कराएगी। विश्वविद्यालयों की ओर से एनसीसी विषय के लिए बनाई गई विद्वत सभा में एडीजी एनसीसी निदेशालय उप्र की ओर से नामित एक सदस्य व कुलपति की ओर से एक एएनओ को शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी छात्रों को यह विषय पढ़वाने के लिए आगे पाठ्यक्रम भी संशोधित होगा। उन्होंने राज्य विश्वविद्यालय व निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति को निर्देश दिया है कि अगले शैक्षिक सत्र से इसे लागू कराने के लिए जरूरी कार्यवाही पूरी कराएं।

Hindustan Times

10.08.2021_Page No.03 (My City),Amar Ujala_Page No.3,